MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA

ACTIVITY REPORT

Name of the Department: **Hindi**

Name of activity: Vishwa Hindi Diwas

Level of activity: **Departmental**

Date of activity: **10.01.2023**

Head of the department: **Dr. Sudha Niketan Ranjani**

Name of Resource person/s:

Number of teacher participated: **10**

Number of students participated: **12**

Fruitful Outcome of the activity:

10 जनवरी 2023 को हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भाषा के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। हिंदी के सर्वाधिक प्रयोग कैसे करें छात्राओं को इसकी जानकारी दी गई। भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्व पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अन्तर को विस्तारपूर्वक समझाया गया और यह बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार प्रचार ही है । उदाहरण के साथ यह बताया गया कि हिन्दी किस तरह से विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा है। इसके साथ ही हिंदी सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा है। क्विज में सही जवाब देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।लगभग पचास छात्राओं ने क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

विश्व हिंदी दिवस पर भाषा के महत्व पर दी विशेष जानकारी

संवाददाता, आरा

हिंदी दिवस पर क्विज में शामिल प्रतिभागी छात्राएं.

एमएम महिला कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर क्विज का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डॉ आभा सिंह ने की. मौके पर डॉ सिंह ने अपने संबोधन में भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके सर्वाधिक प्रयोग एवं इससे जुड़ने की बात कही. उन्होंने भाषा के राष्ट्रीय एवं वैश्विक महत्व पर भी चर्चा की. हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुधा निकेतन रंजनी ने छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस और राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अंतर को विस्तारपूर्वक समझाया और बताया कि दोनों का उद्देश्य हिंदी का प्रसार-प्रचार ही है. शोधार्थी दुर्गेश नंदिनी ने हिंदी को विचारों की अभिव्यक्ति, व्यापार, प्रेम और दर्द की भाषा के साथ-साथ सभी भारतवासी को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया. क्विज में लगभग पचास छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिसमें मानसी, सुप्रिया, माधुरी, प्रिया, अंजलि, फरहत, तनु आदि छात्राओं ने सफलता हासिल की, जिन्हें पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया. अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों डॉ कुमारी शिल्पा, डॉ अनुपमा, डॉ शालिनी, डॉ अमरेश, डॉ रजनी नारसरिया, डॉ राखी, डॉ खुशबू, डॉ अमरजीत, डॉ निधि, डॉ प्रिया आदि ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार रखे.

विश्व की महान भाषाओं में से एक है हिंदी : प्रो बलिराज : आरा. विश्व हिंदी दिवस पर भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन आरा के तत्वावधान में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रोफेसर बलिराज ठाकुर की अध्यक्षता में गोष्ठी हुई, जिसमें हिंदी की वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई. गोष्ठी का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर प्रोफेसर बलिराज ठाकुर, डॉक्टर नंदजी दुबे, प्रोफेसर दिवाकर पांडेय कवि आलोचक जितेंद्र कुमार ,शिवदास सिंह, जनार्दन मिश्र और डॉक्टर सत्य नारायण उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया. अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रोफेसर बलिराज ठाकुर ने कहा कि हिंदी के द्वारा हम विश्व के एक बहुत बड़े समुदाय के साथ जुड़े हैं. हिंदी राष्ट्रीय एकता के मूल को सिंचती एवं दृढ करती है. उसका वही स्वरूप होना चाहिए, जो परिनिष्ठित हो. भारत को अंग्रेजी के मोह से मुक्त होना चाहिए, प्रोफेसर ठाकुर ने कहा कि हिंदी विश्व की महान भाषाओं में से है. प्रोफेसर दिवाकर पांडेय ने कहा कि किसी देश और जनता को गौरव मिलने से उसकी भाषा को भी सम्मान मिलता है. जितेंद्र कुमार और डॉ सत्यनारायण उपाध्याय ने कहा कि भारत की हिंदी और अन्य भाषाओं में भक्ति तथा दार्शनिक साहित्य का भंडार है. संचालन डॉक्टर नंद जी दुबे और धन्यवाद ज्ञापन शोध छात्र पंकज कुमार ठाकुर ने किया. जनार्दन मिश्र, शिवदास सिंह, डॉक्टर ममता मिश्र , मधु मिश्र, संजय दुबे, रंगजी सिंह, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, अफजल हुसैन चांद, राम पुकार सिंह, शशिकांत तिवारी, डॉक्टर मालती पांडेय, शिव शंकर चौबे और राजेश मिश्र सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये.

महादेवानन्द महिला महाविद्यालय, आरा
कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,